

01/12/25

का. पेश हुई। तकीत अस्थापना उप.। साह्यवादी हेतु  
अवसर - बाह्य। पूर्व में साह्यवादी हेतु पर्याप्त  
अवसर दिये जाते हैं उपरान्त भी साह्यवादी पेश  
नहीं करे तो साह्यवादी का अवसर बन्द किया  
जाता है। मि. वास्ते साह्यप्रतिवादी के दिनांक  
27/01/26 को पेश हो।

27/01/26

पत्रावली पेश हुई। वादी-प्रतिवादी उपस्थित  
पीठासीन अधिकारी बैठक/कानून व्यवस्था/  
भ्रमण साक्षिपत्रता इत्यादि होने से  
पत्रावली दिनांक 01/04/26 को पेश हारें।

आज्ञा से  
रीडर  
उपखण्ड अधिकारी  
सलूमबर

01/04/26

का. पेश हुई। अस्थापना उप.। साह्यप्रतिवादी हेतु अवसर  
- बाह्य। न्यायालय में अवसर दिया जाता है। मि.  
वास्ते साह्यप्रतिवादी के दिनांक :- 18/05/26 को  
पेश हो।

18/05/26

8/5/2026

पत्रावली पेश हुई। वादी मध्य साक्षिपत्रता अनुपस्थित।  
वकील प्रतिवादी उपस्थित। वादी को न्यायालय समर्थ  
पर विधीयत रूप से बार-बार भावाजे लगवर्ष नहीं  
हले उपरान्त भी वादी मध्य साक्षिपत्रता के लिए  
हाजिर रहने से वादी का वाद अदालत-हाजिरी वकदम  
पत्रावली में खारिज किया जाता है।

पत्रावली के मग अमात लेकर वास्ते अवसर  
हो। आदेश सुने न्यायालय में सुनाया गया।